मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC–104

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत (बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.एस.के.सी.-104 : गीता में आत्मप्रबंधन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

*(ii) प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, किन्तु सभी प्रश्नों के उत्तर का माध्यम एक ही भाषा हो।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए— 5×10=50

(क) सर्वभूतस्थमात्मानं सर्वभूतानि चात्मनि।

ईक्षते योगयुक्तात्मा सर्वत्र समदर्शनः॥

(ख) यदा संहरते चायं कुर्मोऽंगानीव सर्वशः।

इन्द्रियाणीन्द्रियार्थेभ्यः तस्य प्रज्ञाः प्रतिष्ठिता॥

(ग) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।

मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते संगोऽस्त्वकर्मणि॥

(घ) मात्रास्पर्शास्तु कौन्तेय शीतोष्ण सुखदु:खदा।

आगमापयिनोऽनित्या स्तास्तितिक्षस्व भारत॥

(ङ) सत्वं रजस्तम इति गुणा: प्रकृति सम्भवा:।

निबध्नन्ति महाबाहो देहे दहिनमव्ययम्॥

(च) बहूनि मे व्यतीतानि जन्मानि तव चार्जुन।

तान्यहं वेद सर्वाणि न त्वं वेत्थ परंतप॥

(छ) मन: प्रसाद: सौम्यत्वं मौनमात्मविनिग्रह:।

भावसंशुद्धिरित्येतन्तयो मान समुच्यते॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए— 3×10=30

(i) मन की उत्पत्ति एवं स्वरूप की विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए।

(ii) आत्मप्रबंधन क्या है ? गीता के अनुसार आत्मप्रबंधन का विवेचन कीजिए।

(iii) गीता के अनुसार त्रिगुणात्मक सृष्टि की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए तथा मानसिक द्वन्द्वों के मूल कारण के रूप में रजोगुण की व्याख्या कीजिए।

(iv) योग की सिद्धि हेतु आहारशुद्धि के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(v) मन पर नियंत्रण के उपायों को विस्तारपूर्वक बताइए।

(vi) गीता में वर्णित सांस्कृतिक महत्त्व का विस्तार से वर्णन कीजिए।

(vii) गीता की मुख्य शिक्षाओं पर विस्तार से वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए—

$4 \times 5 = 20$

(i) त्रिविध तपश्चर्या

(ii) कर्म का स्वभाव

(iii) त्रिगुणात्मिका सृष्टि

(iv) बुद्धि का स्वरूप

(v) पुरुषार्थ चतुष्ट्य

(vi) कर्मयोग की प्रशंसा।

× × × × ×